

प्रेषक,

आर०के० सुधौशु,
अपर सचिव (स्वतन्त्र प्रभार)
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

कुलसचिव/वित्त नियंत्रक,
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,
हल्द्वानी जिला नैनीताल ।

शिक्षा अनुभाग-6 (उच्च शिक्षा)

देहरादून दिनांक 19 सितम्बर, 2011

विषय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्ययक के आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष द्वितीय किशत अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या :यूओयू/वित्त/10-12/272/12037 दिनांक 17, अगस्त- 2011 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आलोच्य वित्तीय वर्ष 2011-12 के आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशि ₹ 100.00 लाख (₹ एक करोड़ मात्र) के सापेक्ष कार्मिकों के वेतन एवं अन्य वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों आदि के भुगतान के लिए प्रथम किशत के रूप में ₹ 50 लाख की धनराशि पूर्व में ही शासनादेश संख्या : 22/xxiv(6)/ 2011 दिनांक 02, मई 2011 द्वारा अवमुक्त की जा चुकी है, अवशेष ₹ 50,00,000.00 (₹ पचास लाख मात्र) की धनराशि अनुदान के रूप में निम्नांकित प्रतिबन्धों के साथ कार्मिकों के वेतन एवं अन्य वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों में व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2- स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष व्यय करते समय वचनबद्ध मदों को प्राथमिकता दी जायेगी । अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि व्यय नहीं की जायेगी । व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008, डी०जी०एस०एण्डडी० की दर तथा यह दर निश्चित न होने पर टेण्डर/कोटेशन विषयक नियमों का अनुपालन किया जाना होगा तथा समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं मितव्ययता सम्बन्धी शासनादेशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाना होगा, क्रय की गयी सामग्री का अंकन स्टॉक रजिस्टर में किया जायेगा जिसे सम्बन्धित अधिकारी द्वारा सत्यापित/प्रमाणित भी किया जाना होगा । कम्प्यूटर आदि के क्रय के सम्बन्ध में आई० टी० विभाग/नवीनतम शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा ।

3- स्वीकृत की गयी धनराशि निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, हल्द्वानी के प्रतिहस्ताक्षर करने के उपरान्त विश्वविद्यालय द्वारा आहरित की जायेगी ।

4- स्वीकृत धनराशि के उपभोग के सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्गत समस्त शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा धनराशि का व्यय कर उपयोगिता प्रमाण पत्र तथा मदवार व्यय

विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा एवं अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि का व्यय नहीं किया जायेगा । स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष वचनबद्ध मदों के व्यय को प्राथमिकता दी जायेगी ।

5- व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है ।

6- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-102-विश्वविद्यालयों को सहायता-आयोजनेत्तर-07-राज्य मुक्त विश्वविद्यालय-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नाम डाला जायेगा ।

7 यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या : 29(NP)/XXVII(3)/ 2011 दिनांक 13, सितम्बर-2011 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं ।

भवदीय,

(आर०के० सुधॉशु)

अपर सचिव (स्वतन्त्र प्रभार)

पृष्ठांकन संख्या : 22 /XXIV(6)/2011 दिनांकित :
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून ।
2. निदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी ।
3. कोषाधिकारी, हल्द्वानी जिला नैनीताल ।
4. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून ।
5. वित्त अनुभाग-3 उत्तराखण्ड शासन ।
6. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन ।
7. बजट राजकोषीय, नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून ।
8. विभागीय आदेश पुस्तिका ।

आज्ञा से,



(वेदीराम)

अनु सचिव ।